सं० एफ ७-५० । ६६ एच

भारत सरकार

शिक्षा एवं युवक सेवा मंत्रालय

—:०:—

नई दिल्ली, १८ फरवरी, १९७०

सेवा में :—सभी राज्य सरकारों एवं संघीय क्षेत्रों के शिक्षा सचिव ।

विषय :–स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं द्वारा संचालित हिन्दी परीक्षाओं की स्थायी मान्यता प्रदान करने के संबंध में ।

महाशय,

मुझे इस पत्र के साथ भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं द्वारा संचालित हिन्दी परीक्षाओं की सरकारी नौकरियों के लिए स्थायी आधार पर दी गई मान्यता से संबंधित जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति की एक प्रति भेजने का निदेश हुआ है। मुझे यह निवेदन करने का भी निदेश हुआ है कि राज्य सरकारों और संघीय प्रशासनों द्वारा भी इसी प्रकार की स्थायी मान्यता देने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए।

भवदीय—

सरन सिंह

अनुसचिव, भारत सरकार

प्रतिलिपि :—भारत सरकार के सभी मंत्रालय में एवं विभागों को प्रेषित ।

प्रेस विज्ञप्ति

देश के विभिन्न भागों में कई एक स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाएँ बहुत देर से हिन्दी परीक्षाओं का संचालन करती आ रही हैं। इन परीक्षाओं के पास करनेवाले उम्मीदवार को ऐसी सरकारी नौकरियों के लिए जिनके लिए हिन्दी की योग्यताएँ भी निर्धारित की गई हैं, पात्र बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने हिन्दी शिक्षा समिति की सिफारिशों पर और संघ लोक सेवा आयोग की सहमति से इन संस्थाओं की कुछेक परीक्षाओं को मान्यता दी और इस संबंध में १९६० में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। इन परीक्षाओं में से कुछ की मान्यता-अवधि समय-समय पर बढ़ा कर शिक्षा मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति संख्या ७-५०/६६ एच-१ दिनांक १५-५-५७ द्वारा ३१ दिसम्बर, १९६९ तक बढ़ा दी गई।

हिन्दी शिक्षा समिति ने जो कि हिन्दी के प्रचार और विकास से संबंधित मामलों पर भारत सरकार को परामर्श देने के लिए गठित एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति है, १९ और २० अप्रैल, १९६९ की अपनी २१वीं बैठक में यह सिफारिश की थी कि इन स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा जो परीक्षाएँ पिछले १० वर्षों से चलाई जा रही हैं और जिन्हें भारत सरकार द्वारा पिछले ५ वर्षों से मान्यता मिलती आ रही है उन्हें स्थायी आधार पर मान्यता दे दी जाय परन्तु शर्त यह है कि ऐसी संस्थाओं का हर वर्ष निरीक्षण किया जाए और यदि निरीक्षण के समय उनके कार्य में कोई घोर अनियमितता देखने में आए तो मान्यता वापस लेने के संबंध में कार्रवाई की जाए।

हिन्दी शिक्षा समिति द्वारा की गई यह सिफारिश भारत सरकार द्वारा स्वीकार कर ली गई है और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से अनुबंध में दी गई परीक्षाओं को भारत सरकार ने स्थायी आधार पर मान्यता देने का निश्चय किया है।

यह पुनः स्पष्ट किया जाता है कि मान्यता केवल समकक्ष परीक्षा के लिए निर्धारित हिन्दी के स्तर तक ही सीमित है और इसे उस पूर्ण प्रमाण-पत्र, डिग्री परीक्षा, जिसके हिन्दी स्तर के समकक्ष इसे दिखाया गया है, बराबर नहीं माना जाएगा।

भारत सरकार

शिक्षा एवं युवक सेवा मंत्रालय

एफ ७-५० ६९ एच-१ दिनांक—१८ फरवरी, १९७०

अनुबंध

क्रम सं०	संस्था का नाम	मान्यता प्राप्त परीक्षा का नाम	बराबर की परीक्षा में हिन्दी का निर्धारित स्तर।
१	हिन्दी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद	प्रथमा	एस० एल० सी०
		मध्यमा (विशारद)	बी० ए०
		उत्तमा (हिन्दी साहित्य)	बी०ए० (हिन्दी में ऑनर्स)
२	राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा	परिचय	एस० एल० सी०
		कोविद	इन्टर
		रत्न	बी० ए०
३	दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास	प्रवेशिका	एस० एल० सी०
		विशारद	इन्टर
		प्रवीण	बी० ए०
४	हिन्दी विद्यापीठ, देवघर	प्रवेशिका	एस० एल० सी०
		साहित्यभूषण	इन्टर
		साहित्यालंकार	बी० ए०
५	महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा	प्रबोध	एस० एल० सी०
		प्रवीण	इन्टर
		पंडित	बी० ए०
६	हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद	विशारद	एस० एल० सी०
		भूषण	इन्टर
		विद्वान	बी० ए०
७	बम्बई हिन्दी विद्यापीठ, बम्बई	उत्तमा	एस० एल० सी०
		भाषा रत्न	इन्टर
		साहित्य सुधाकर	बी० ए० (दूसरे आदेश द्वारा)
८	गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	तीसरी	एस० एल० सी०
		विनीत	इन्टर
		सेवक	बी० ए०

९	असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति गुवाहाटी	प्रबोध	एस० एल० सी०
		विशारद	इन्टर
		प्रवीण	बी०ए० (दूसरे आदेश के आधार पर जोड़ा गया)
१०	हिन्दुस्तानी प्रचार सभा, बम्बई	तीसरी	एस० एल० सी०
		काबिल	इन्टर
		विद्वान	बी०ए० (दूसरे आदेश के आधार पर जोड़ा गया)
११	मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद, बंगलोर	प्रवेश	एस० एल० सी०
		उत्तमा	इन्टर
		रत्न	बी०ए० (दूसरे आदेश के आधार पर जोड़ा गया)
१२	केरल हिन्दी प्रचार परिषद, त्रिवेन्द्रम	प्रवेश	एस० एल० सी०
		भूषण	इन्टर
		साहित्याचार्य	बी०ए० (दूसरे आदेश के आधार पर जोड़ा गया)
१३	मणिपुर हिन्दी परिषद, इम्फाल	प्रबोध	एस० एल० सी०
		विशारद	इन्टर
		रत्न	बी०ए० (दूसरे आदेश के आधार पर जोड़ा गया)

भारत सरकार ने आगे निर्गत किए गए आदेशों द्वारा निम्नलिखित संस्थाओं की परीक्षाएं भी मान्य कीं :

१४	कर्नाटक हिन्दी सेवा समिति, बंगलूर	हिन्दी उत्तमा	एस० एल० सी०
		,, भाषा भूषण	इन्टर
		,, भाषा रत्न	बी० ए०
१५	मैसूर रियासत हिन्दी प्रचार समिति, बंगलूर	प्रवेश	एस० एल० सी०
		राजभाषा प्रकाश	इन्टर
		,, विद्वान	बी० ए०
१६	सौराष्ट्र हिन्दी समिति	तीसरी	एस० एल० सी०
१७	उड़िसा राष्ट्रभाषा परिषद जगन्नाथधाम, पुरी	विनोद	एस० एल० सी०
		प्रवीण	इन्टर
		शास्त्री	बी० ए०